# कहानिया | Kahaniyaan Lyrics - Zyra Nargolwala

कहानियां तेरे मेरी प्यार की
कुछ लिख दी हैं और कुछ रह गई हैं बहार की
जिंदगी की धूप में इक शाओ बन जाए हम

क्यों ना दो पल को बस तेरे हो जाएं हम
दुनिया की भीड़ से कहीं दूर निकल जाए हम
तेरी मंजिलों का रास्ता बन जाये हम

क्यों न हवाओं की बाहों में सो जाये हम
इन रातों में तारों के शहर में खो जाये हम
क्यों न हवाओं की बाहों में सो जाये हम
इन रातों में तारों के शहर में खो जाये हम

नया सफर और हाथों में बस तेरा हाथ हो
अब्ब मेरे
कोई कमी भी ना लगे बस तू जो साथ हो
अब्ब मेरे
करले सभी बातें जो बाकी कहीं हो ना जाए रात खत्म

जिंदगी की धूप में इक शाओबन जाए हम
क्यों ना दो पल को बस तेरे हो जाएं हम
दुनिया की भीड़ से कहीं दूर निकल जाएं हम
तेरी मंजिलों का रास्ता बन जाएं हम

क्यों न हवाओं की बाहों में सो जाएं हम
इन रातों में तारों के शहर में खो जाएं हम
क्यों ना हवाओं की बाहों में सो जाये हम
न रातों में तारों के शहर में खो जाये हम